ईश्वर सर्वव्यापी नही है निश्चय रखना

दूसरों को भी यह निश्चय कराना

बाप कहते बच्चे पहले तुम कब मिले हो?

समझे हुए बच्चे झट कहते-5 हज़ार वर्ष पहले मिले

जो नही समझते वो मूँज जाते

बाप की नॉलेज है गुप्त, ऐसा गुप्त अब पुरुषार्थ करना

शांति में चलते फिरते बाप को है याद करना

पुरानी दुनियाँ भूल, बुद्धि नयी दुनियाँ में लगानी

झमेलों की दुनियाँ में झमेलें तो होंगे ही

झमेलें हैं पहाड़- उडती कला से ऊपर चले जाओ

मन बद्धि को हटा उनसें किनारा कर ल

हीरो पार्ट धारी ,हीरो पार्ट बजाने वाले बनो

मेरा बाबा

ॐ शांति!!!